प्रकाशन तिथि : 15 जुलाई, 2022
प्रेषण तिथि : 19 जुलाई, 2022

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 09 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

आलोक आश्रम में गुरु पूर्णिमा पूजन

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आलोक आश्रम बाड़मेर में माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर द्वारा स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज की तस्वीर का पूजन किया गया। आश्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों ने भी माननीय संरक्षक श्री का तिलक करके उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। राजस्थान के विभिन्न जिलों के साथ ही गुजरात से भी स्वयंसेवक परिवार सहित गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर संरक्षक श्री का सान्निध्य प्राप्त करने आलोक आश्रम पहुंचे। गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी हुआ।

समदड़ी में राष्ट्रनायक दुगार्दास राठौड़ की मूर्ति का अनावरण

समदड़ी स्थित वीर दुगार्दास राठौड़ छात्रावास के प्रांगण में राष्ट्रनायक दुगार्दास राठौड़ की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। पूर्व सांसद व जोधपुर के पूर्व महाराजा गजसिंह जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वीर दुगार्दास राठौड़ का प्रभाव उनके जीवनकाल में और उसके बाद भी पूरे राष्ट्र में पड़ा है। वह एक सच्चे स्वाभिमानी राष्ट्र भक्त थे। उनके जीवन से हम सभी को स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम, वीरता और धैर्य की प्रेरणा लेनी चाहिए। आज का समय प्रतिस्पर्धा का समय है जिसमें इन गुणों को धारण करके ही हम सर्वसमाज को साथ लेकर आगे बढ़ सकते हैं। तारातरा मठ के महंत प्रतापपुरी ने कहा कि वीर दुगार्दास का इतिहास सर्वव्यापी है। उनके त्याग और बलिदान को, उनकी राष्ट्रभक्ति को सारा संसार जानता है और उनकी महानता को नमन करता है। ऐसे विरले महापुरुष कभी-कभी ही जन्म लेते हैं। सैनिक कल्याण समिति के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुगार्दास जी ने अभाव और कठिनाइयों से हार माने बिना अपने सामने आई प्रत्येक चुनौती से संघर्ष किया और उसको पार किया। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर यहां के छात्रों को आगे बढ़कर देश और समाज की सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल ने कहा कि देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा का दायित्व दुगार्दास जी जैसे हमारे पूर्वजों ने हजारों सालों तक निभाया है। उन्हीं की भांति हमें भी अपने कर्तव्य मार्ग पर डटे रहते हुए सभी की रक्षा करने का दायित्व निभाना चाहिए। रानीवाड़ा विधायक नारायण सिंह ने कहा कि दुर्गा दास जी का इस राष्ट्र पर बहुत बड़ा ऋण है और उसके लिए हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

माननीय संरक्षक श्री द्वारा अंबेडकर बौद्ध पार्क का निरीक्षण

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह रोलसाहबसर 28 जून को बाड़मेर स्थित अंबेडकर बौद्ध पार्क पहुंचे तथा यहां स्थापित महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण करके पार्क का निरीक्षण किया। माननीय संरक्षक श्री ने वहां उपस्थित दलित व अन्य समाजों के व्यक्तियों से चर्चा करते हुए भगवान बुद्ध द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने और समाज में सौहार्द व समरसता बनाए रखने की बात कही। व्यवस्थापक एडवोकेट नवल किशोर लीलावत ने माननीय संरक्षक श्री को बताया कि बौद्ध पार्क में लगी डॉ अम्बेडकर एवं अन्य महापुरुषों की सभी मूर्तियां राजपूत समाज द्वारा स्थापित करवाई गई हैं और इसीलिए डॉक्टर अंबेडकर कार्यक्रम आयोजन समिति राजपूत समाज का आभार प्रकट करती है।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

जैसलमेर में सामाजिक समरसता की अनुकरणीय पहल

जैसलमेर की इंदिरा कॉलोनी में निवासरत जोधा गांव निवासी मनोहर सिंह ने सामाजिक समरसता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए कॉलोनी में सफाई का कार्य करने वाले वाल्मीकि समाज के मदनलाल की दो बेटियों की शादी का पूरा खर्च उठाया और अपने परिवार सहित विवाह में सम्मिलित होकर शादी की सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर मदनलाल की पांच बेटियां हैं जिनमें से दो की शादी तय होने के पश्चात उसे विवाह के खर्चे की चिंता थी। (शेष पृष्ठ 4 पर)

काणेटी में मातृशक्ति स्नेहमिलन संपन्न

मध्य गुजरात संभाग में काणेटी गांव स्थित प्राथमिक शाला में 3 जुलाई को महिलाओं का स्नेहमिलन संपन्न हुआ। वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृति बा हरदासकाबास ने उपस्थित महिलाओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी और कहा कि नारी शक्ति किसी भी समाज का आधार स्तंभ है इसीलिए संघ में भी नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस बात को समझते हुए हमें प्राथमिकता देकर संघ का कार्य करना चाहिए जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी संस्कारित हो सके। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं ने संघ से संबंधित कई जिज्ञासाएं भी प्रकट की जिनका समाधान जागृति बा द्वारा किया गया। क्षेत्र में लगने वाले आगामी बालिका शिविर पर भी चर्चा की गई। स्नेहमिलन में काणेटी, चेखला, साणंद, पलवाड़ा और गांधीनगर से बालिकाएं और महिलाएं सम्मिलित हुई। मध्य गुजरात संभाग द्वारा आयोजित इस स्नेहमिलन की व्यवस्था काणेटी मंडल द्वारा की गई।

'क्षत्रियत्व के जागरण में ही है क्षत्रिय का हित'

(बेगूं, रावतभाटा और झालावाड़ में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्य विस्तार बैठकें संपन्न)

हम सब अपनी इस जाति से प्रेम करते हैं क्योंकि हम इस समाज में जन्म लेने से ही बहुत सारी चीजों के अधिकारी बन जाते हैं। इस कौम में जन्म लेने से हमें मिला ही मिला है इसलिए स्वाभाविक रूप से हमें इससे प्रेम होता है और कोई भी अपने आप को राजपूत कहलाने में गौरवान्वित महसूस करता है। हममें से हर व्यक्ति अपनी जाति के लिए कुछ ना कुछ करना भी चाहता है लेकिन उसे यह पता नहीं है कि करना क्या है? ईश्वर ने हमें जिस कुल में, जिस परिवार में जन्म दिया है उसके प्रति हमारा क्या कर्तव्य है? श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे इन्हीं प्रश्नों का उत्तर है। पूज्य तन सिंह जी का चिंतन यह था कि राजपूत का हित राजपूत बनने में है, क्षत्रिय का हित इसमें है कि वह क्षत्रिय बन जाए। इसलिए समाज के लिए यदि करने योग्य कुछ काम है तो वह है राजपूत को राजपूत बनाने का प्रयास, क्षत्रिय को क्षत्रिय बनाने का प्रयास। तो क्या क्षत्रिय के घर में जन्म लेने मात्र से व्यक्ति क्षत्रिय नहीं बन जाता नहीं, वास्तव में तो क्षत्रिय हम तभी बनेंगे जब क्षत्रिय के गुण हममें जागृत होंगे। हमारे खून में जो विशेषताएं हमारे माता-पिता से, पूर्वजों से आई हैं वे विशेषताएं जागृत होकर हमारे जीवन में प्रकट होने लग जाएं, हमारे जीवन व्यवहार में आ जाएं तब हम क्षत्रिय बनते हैं। लेकिन वह जीवन व्यवहार में कैसे आए? केवल बातों से नहीं आ सकती। उसके लिए कुछ पूज्य तन सिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में एक शिक्षण पद्धति दी, एक ऐसा ढांचा तैयार किया, एक इस प्रकार की प्रणाली तैयार की, हम यह कह सकते हैं कि एक ऐसी फैक्ट्री तैयार की जिस फैक्ट्री में क्षत्रिय को बनाया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि श्री क्षत्रिय युवक संघ अन्य जाति के व्यक्ति को लाकर क्षत्रिय बनाने का प्रयास करता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इसको अव्यावहारिक प्रयोग मानता है। इतिहास में अन्य वर्ण के व्यक्तियों ने जब भी क्षत्रिय बनने का प्रयास किया तो परिणाम क्या निकला? परशुराम को देखें तो उनमें अहंकार पैदा हुआ जिसके परिणाम स्वरुप उन्होंने सामूहिक नरसंहार का प्रयास प्रारंभ कर दिया। इसी कारण अंततः भगवान राम से जब उनका सामना हुआ तब उनका पूरा तेज समाप्त हो गया। फिर भी वह पीठ चलती रही, तब हमने देखा कि जब भीष्म से उन पीठाधीश्वर सामना हुआ तब उनको हार माननी पड़ी। द्रोणाचार्य ने क्षत्रिय बनने का प्रयास किया लेकिन उसका परिणाम यह निकला कि केवल अपनी रोजी-रोटी के लिए वे अधर्म के सहायक बन गए और परिणाम स्वरूप उनको मरना पड़ा। एकलव्य ने क्षत्रिय बनने का प्रयास किया लेकिन उसकी क्षमताओं का उपयोग किसने किया? वह जरासंध का सेनापति बना और अधर्म को स्थापित करने का प्रयास किया। इसलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ यह कहता है कि क्षत्रिय यदि क्षत्रिय को ही बनाया जाए, उसमें जो सोया हुआ क्षत्रियत्व है उसको जागृत किया जाए तो वह प्रयोग सफल रहेगा। इसके अलावा कोई भी प्रयोग विफल होगा और वह हम संसार में देख रहे हैं। आज जो अन्य लोगों को क्षत्रिय बनाने का प्रयास प्रारंभ किया गया है उसका परिणाम हम देख रहे हैं। चारों तरफ जो धर्म के नाम पर हिंसा हो रही है, तनाव पैदा हो रहा है उसका कारण क्या है? यह आपस में एक दूसरे के सामने खड़े होने की बात क्यों आ गई? क्यों पृथ्वीराज जी को, मिहिरभोज को गुज्जर बनाया जा रहा है, क्यों राणा पूंजा को भील बना दिया गया? इसलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ केवल क्षत्रियों में काम करता है। ऐसे लोग जिनके खून में दुगार्दास का खून है, प्रताप का खून है, सांगा का खून है, अर्जुन का खून है, पाबूजी का खून है, जिनका खून उस परंपरा का वाहक है, उनको यदि वापस इस प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाए तो उस खून की विशेषताएं वापस जागृत हो सकती हैं और वे पुनः क्षत्रियत्व की ओर बढ़ सकते हैं और यदि वे क्षत्रियत्व की ओर बढ़ते हैं, क्षत्रिय बनते हैं, राजपूत बनते हैं तो यही उनका हित है क्योंकि उसमें ही उनकी उपयोगिता है। तन सिंह जी का यह चिंतन था कि राजपूत में यदि राजपूती बचेगी तभी वह राजपूत रहेगा, क्षत्रिय में यदि क्षत्रियत्व बचेगा तभी वह क्षत्रिय रहेगा इसलिए उस राजपूती का, उस क्षत्रियत्व का शिक्षण संघ देता है और उस शिक्षण को ही क्षत्रिय के हित का सबसे बड़ा उपाय मानता है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

महावीर चक्र विजेता हणुत सिंह जसोल की जयंती मनाई

महावीर चक्र विजेता लेफ्टिनेंट जनरल हणुत सिंह जसोल की जयंती 6 जुलाई को श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। जसोल स्थित उनके निवास पर 17 पूना हॉर्स रेजीमेंट की ओर से रखवाए गए रणजीत टैंक पर समाजबंधुओं एवं ग्रामवासियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात ग्राम पंचायत जसोल में कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रधान भगवत सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हणुत सिंह जी को भारतीय सेना के श्रेष्ठतम कमांडरों में सम्मिलित किया जाता है। उनकी वीरता, निडरता, सादगी, विनम्रता और भक्ति हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। सरपंच ईश्वर सिंह चौहान ने कहा कि हणुत सिंह जी का पराक्रम अद्भुत था। ऐसे महान व्यक्तित्व का जसोल की धरा पर जन्म लेना हमारे लिए गौरव की बात है।

हरियाणा के भिवानी और हिसार में स्नेहमिलन संपन्न

10 जुलाई को हरियाणा के भिवानी व हिसार जिलों में श्री क्षत्रिय युवक संघ के दो स्नेहमिलन संपन्न हुए। प्रथम स्नेहमिलन भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थित बाबा परमहंस गुफा मंदिर में आयोजित हुआ। शेखावाटी के संभागप्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज में संस्कार निर्माण के उद्देश्य से कार्य करता है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना 22 दिसंबर,1946 को की थी। तब से निरंतर संघ अपनी 'सामूहिक संस्कारमयी मनोवैज्ञानिक कर्मप्रणाली' के माध्यम से समाज में क्षात्रवृत्ति की पुनर्स्थापना का कार्य कर रहा है। गीता में 'परित्राणाय साधूनां, विनाशाय च दुष्कृताम' की जो बात कही गई है उसी के अनुसार श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज में अमृत तत्व की रक्षा और विष तत्व के विनाश की बात करता है। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक बदलाव लाने के उद्देश्य से समाज के युवकों की ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग सामाजिक कार्यों में करने तथा संवैधानिक मूल्यों के साथ क्षत्रिय गुणों के पालन करने पर चर्चा हुई जिसमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के मार्गदर्शन में सामाजिक क्षेत्र में काम कर रहे श्री प्रताप फाउंडेशन और श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के बारे में बताया गया तथा इनके उद्देश्यों और सामाजिक-राजनैतिक चेतना के किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। क्षेत्र में संघ कार्य के विस्तार के लिए भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में सीकर प्रांतप्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर, हरेन्द्र सिंह बगड़, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की केंद्रीय समिति के सदस्य अरविंद सिंह बालवा, डॉ जालमसिंह अग्रोहा, अनुपाल सिंह तिगड़ाना, कर्मवीर सिंह तिगड़ाना, कर्नल रविन्द्र सिंह पिलाना, भारत सिंह बोंद कला, कृष्ण सिंह पिलाना, मनदीप सिंह पिलाना, कृष्णपाल सिंह भिवानी आदि सहित क्षेत्र के अनेकों प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। इसी दिन हिसार में अग्रोहा स्थित श्री कर्ण सिंह राठौड़ सेवा सदन में भी स्नेह मिलन का आयोजन हुआ जिसमें खींव सिंह सुल्ताना ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी दी। जुगराज सिंह जूलियासर ने क्षेत्र में हो रहे संघ कार्य के संबंध में बताया और आह्वान किया कि सभी मिलकर क्षेत्र में सांघिक गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रयत्न करें। कार्यक्रम में अजीत सिंह अग्रोहा, हरि सिंह मिठड़ी, सन्तोष सिंह लाखलाण, मोहन सिंह नंगथला, धर्मेंद्र सिंह अग्रोहा, शेर सिंह अग्रोहा, जगत सिंह सारंगपुर आदि सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

जयपुर ग्रामीण प्रांत के माचवा में स्नेहमिलन

जयपुर ग्रामीण प्रांत में अंसल सुशांत सिटी में मांचवा स्थित विश्वकर्मा विवाह स्थल परिसर में 10 जुलाई 2022 को प्रांतीय स्नेहमिलन आयोजन हुआ। केन्द्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ ने उपस्थित समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी एवं बताया कि हमें निराश होने अथवा घबराने की जरूरत नहीं है। आज का माहौल पूरे संसार में विपरीत है, लेकिन फिर भी हमें संघर्ष करते रहना होगा। हमें भोगवादी होने से बचना होगा। हमारे अन्दर सामाजिक भाव का होना भी अति आवश्यक है। यदि हम समाज में कुछ करना चाहते हैं और जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं तो श्री क्षत्रिय युवक संघ से जुड़कर कार्य करें, यहां समाज की हर प्रकार से सेवा करते हुए स्वधर्म पालन के पथ पर बढ़ पाएंगे। आवश्यकता केवल यही है कि हम अपने शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा से समर्पित होकर संघ कार्य को करें। जयपुर संभाग प्रमुख राजेन्द्र सिंह बोबासर ने क्षत्रिय की परिभाषा एवं स्वधर्म के बारे में बताते हुए कहा कि वर्तमान की स्थितियां हमें हमारे धर्म से दूर ले जाने वाली हो रही हैं, हमे इन स्थितियों को दूर करने का कार्य करना होगा। स्थानीय स्वयंसेवक बंधु प्रवीण सिंह विजयपुरा ने सदाचार एवं रक्त की पवित्रता को बनाए रखने की बात कही। मनोहर सिंह जालिम सिंह का बास ने समाज में सहयोगी भाव के निर्माण व समाज को संस्कारवान बनाने की बात कही। नरेन्द्र सिंह निमेडा ने राजा मान सिंह आमेर के इतिहास के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं बजरंग सिंह सुल्ताना व कर्नल केसरी सिंह ने भी समाज को राजनीति और आम चुनाव में बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाने हेतु आग्रह किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के अनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के केन्द्रीय कार्यसमिति सदस्य यशवर्धन सिंह झेरली ने फाउंडेशन की स्थापना एवं इसके उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि समाज के सकारात्मक युवाओं को फाउंडेशन के माध्यम से श्री क्षत्रिय युवक संघ की विचारधारा से जोड़ने एवं उन्हें वर्तमान में लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर रहकर समाज हित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में जयपुर ग्रामीण प्रांत प्रमुख देवेन्द्र सिंह बड़वाली, राम सिंह आकदड़ा सहित अन्य स्थानीय समाजबंधु व सहयोगी भी उपस्थित रहे। मातृशक्ति की भी कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

राजपूत जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला संपन्न

श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में जैसलमेर जिले के राजपूत जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला स्थानीय व्यास बगेची में 2 जुलाई को सम्पन्न हुई जिसमें पूरे जिले से राजपूत समाज के पूर्व विधायक, जिला प्रमुख, प्रधान, सरपंच, पार्षद व विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के पदाधिकारी सहित राजनीतिक कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केन्द्रीय कार्यकारी रेवंतसिंह पाटोदा ने कहा कि श्री प्रताप फाउंडेशन वर्तमान व्यवस्था में हमारे पूर्वजों के जीवन मूल्यों के अनुरूप काम करने के लिए राजपूत समाज के राजनैतिक व सामाजिक कार्यकताओं के बीच समन्वय व सहयोग स्थापित करने हेतु उपयुक्त वातावरण तैयार कर वर्तमान व्यवस्था में समाज की भागीदारी बढ़ाने व सामाजिक हितों के संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि श्री प्रताप फाउंडेशन समाज के राजनेताओं के लिए नहीं बल्कि समाज के लिए कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य किसी नेता विशेष को आगे बढ़ाना नहीं बल्कि राजनीतिक क्षेत्र में समाज की समग्र भागीदारी को बढ़ाना है और इसलिए विभिन्न राजनीतिक दलों में विभिन्न स्तर पर सक्रिय राजनीतिक कार्यकताओं का सहयोग करने और समाज के हित में उनका सहयोग प्राप्त करने के लिए श्री प्रताप फाउंडेशन कार्य कर रहा है। जिला प्रमुख प्रतापसिंह, पूर्व विधायक छोटूसिंह, पूर्व विधायक सांगसिंह, पूर्व विधायक शैतानसिंह, पूर्व विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह, ऑल इण्डिया कांग्रेस कमेटी सदस्या सुनीता जी भाटी, फतेहगढ़ प्रधान जनकसिंह, सम प्रधान तनसिंह, साकड़ा प्रधान भगवतसिंह ने भी अपने विचार रखे। बैठक में वयस्क मतदाताओं के सूची में नाम जुड़वाने , शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित करने, सकारात्मक मतदान के लिए मतदाताओं को शिक्षित करने, अन्य समाजों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बंध स्थापित करने के लिए कार्य करने आदि बिंदुओ पर चर्चा करके कार्ययोजना बनाई गई। बैठक के दौरान 24 जुलाई को जैसलमेर में किसान सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम का संचालन सम्भाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिंजनियाली द्वारा किया गया। फाउंडेशन की जिला टीम के सदस्य भवंर सिंह साधना, सूरजपाल सिंह बडोड़ा गांव, रणवीर सिंह खुहड़ी, जोगराजसिंह सिहडार, कमलसिंह भैंसड़ा, हिन्दूसिंह म्याजलार आदि द्वारा कार्यशाला हेतु समाजबंधुओं से संपर्क किया एवं व्यवस्था संबंधी दायित्व संभाला।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारे स्वयंसेवक साथी

श्री पदम सिंह भाऊड़ा

का कॉलेज **व्याख्याता (इतिहास)** के पद पर

चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं

उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु

मूल सिंह काठाड़ी	जेतमाल सिंह बिशाला	पदम सिंह कंवरली	परबत सिंह जाजवा	दौलत सिंह मुंगेरिया	जीवराज सिंह दाखा
प्रेम सिंह परेऊ	वीरम सिंह वरिया	चन्दन सिंह चांदेसरा	गोविंद सिंह गुगड़ी	वीरम सिंह थोब	सुमेर सिंह कालेवा
करण सिंह दूधवा	ईश्वर सिंह पादरू	जालम सिंह पीपलून	सुरेंद्र सिंह गुगड़ी	रूप सिंह परेऊ	मूल सिंह चांदेसरा
हनवंत सिंह मवड़ी	महेंद्र सिंह पादरड़ी कला	मूल सिंह जानकी	जोगसिंह नोसर	विशन सिंह चांदेसरा	एवं समस्त स्वयंसेवक साथी, बालोतरा

संपादकीय

कट्टरता, तुष्टीकरण और हमारा दोहरा व्यवहार

हाल ही में राजस्थान के उदयपुर में घटी एक सांप्रदायिक घटना ने संपूर्ण देश को उद्वेलित किया। एक संप्रदाय में पैर जमा चुकी कट्टरपंथी मानसिकता के विकृत परिणाम के रूप में घटी इस घटना की सभी के द्वारा निंदा की गई और हमारे समाज के युवा भी विभिन्न माध्यमों पर इस घटना के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त करते और प्रतिक्रिया देते दिखाई दिए। इस और इस जैसी अन्य घटनाओं के अनेक पक्ष हैं जिनमें राष्ट्र की वर्तमान व्यवस्था में अनछुआ छोड़ा गया सांस्कृतिक संघर्ष का ऐतिहासिक बीज भी है तो एक संप्रदाय द्वारा धर्म के गतिमान तत्व के साथ ना चल कर उसके बाहरी कलेवर को पकड़कर जड़ता का शिकार हो जाना भी है, राजनैतिक हित साधने के लिए सामाजिक सौहार्द में घृणा के बीज बोने की प्रवृत्ति का फैलाव भी है तो सांप्रदायिक पहचान के आगे घुटने टेकती हुई समावेशी सामाजिक पहचान की विफलता भी है। राजनीतिज्ञों द्वारा वोटो की फसल काटने के लिए किया गया तुष्टिकरण भी है। इन सभी पक्षों की सम्यक विवेचना करके उसके अनुरूप निर्णय लेकर राष्ट्र और समाज के भविष्य की यात्रा का मार्ग निश्चित करने का दायित्व देश के नीति निर्माता वर्ग और समाज और संप्रदायों का नेतृत्व करने वाले प्रभावशाली व्यक्तियों और संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। किंतु वर्तमान में इन सभी में आवश्यक दूरदृष्टि, साहस, आचरण की पवित्रता, वैचारिक एकता, स्वार्थरहितता आदि का नितांत अभाव है जिसके कारण सामाजिक और सांप्रदायिक विद्वेष की समस्या कम होने की अपेक्षा निरंतर बढ़ती ही जा रही है। किंतु वर्तमान में इस समस्या का कोई तात्कालिक समाधान संभव नहीं है और उसके लिए पहले उपरोक्त वर्णित विशेषताओं, जो हमारे पूर्वजों की थाती थी और जिसके कारण ही उन्होंने हजारों वर्ष तक इस देश और इसकी संस्कृति को पल्लवित, पोषित और रक्षित किया था, से सज्जित वर्ग को शासन व्यवस्था और सामाजिक मार्गदर्शन का दायित्व संभालना होगा। यह भविष्य की बात है, किंतु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तो हमें इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है कि एक समाज के रूप में अथवा व्यक्ति के रूप में हम जिस प्रकार की प्रतिक्रिया इस घटना के प्रति व्यक्त कर रहे हैं, क्या वह विवेकसम्मत और संतुलित है? अपनी प्रतिक्रिया में हम जिस बात का विरोध कर रहे हैं, क्या वह विरोध सिद्धांत रूप में है अथवा केवल हमारी किसी संप्रदाय या विचारधारा के प्रति विरोध से प्रेरित है? यदि गहराई से देखें तो हम पाएंगे कि हम में से कई लोग इस घटना को उदाहरण बनाकर जिस कट्टरता का विरोध कर रहे हैं, जिस कट्टरता को समस्या की जड़ बता रहे हैं, उसी कट्टरता को कहीं ना कहीं हम अपने समाज में स्थापित करने के लिए भी जाने-अनजाने उतावले हो रहे हैं। यह बात हमारे समाज में भी कई लोग गाहे-बगाहे दोहराते मिल जाएंगे कि हमारे समाज को अथवा जाति को अपने लिए कट्टर बनना पड़ेगा। सभी जाति, समाज आदि के हित की बात को छोड़कर केवल अपनी बात करनी पड़ेगी। अपने लिए अधिकार, संसाधन आदि जुटाने के लिए येन-केन-प्रकारेण छीना झपटी करनी होगी। इस मानसिकता वाले बंधुओं को यह आत्मचिंतन अवश्य करना चाहिए कि ऐसा करके हम उसी कट्टरता के शिकार तो नहीं बन जाएंगे जिसको दूसरे समाज अथवा संप्रदाय में देखकर हम आज संपूर्ण समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए खतरा बता रहे हैं। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम इस प्रकार के दोहरे व्यवहार को छोड़ें और केवल अपने समुदाय के स्वार्थ के लिए जीने और मरने की धार्मिक अथवा जातीय कट्टरता का विरोध करें चाहे वह किसी अन्य समुदाय के लिए हो अथवा हमारे अपने समाज के लिए। किंतु सामान्यतया ऐसा ना करके हम अन्य समाजों की कट्टरता को तो हेय दृष्टि से देख कर उसकी आलोचना और निंदा करते हैं किंतु अपने समाज में उसी प्रकार की कट्टरता को आगे बढ़ाना चाहते हैं और उसके प्रति तुष्टीकरण का रवैया अपनाते हैं। किंतु ऐसा करते समय हम यह भूल जाते हैं कि हमारे पूर्वजों ने कभी भी इतिहास में इस प्रकार का दोहरा आचरण नहीं किया। उन्होंने जो मापदंड दूसरों के लिए रखे वही अपने लिए भी रखे, बल्कि यह कहना उचित होगा कि दूसरों की बजाए अपने लिए अधिक कड़े मापदंड रखे। क्षात्रधर्म न्याय और सत्य की रक्षा करने के मूल मंत्र पर टिका है और इसकी अवहेलना करके स्वार्थसिद्धि हेतु अपनी शक्ति का दुरुपयोग कभी भी हमारे पूर्वजों द्वारा स्वीकृत नहीं रहा है चाहे ऐसा करने वाला अपना ही प्रियजन क्यों ना हो। सत्य और न्याय की रक्षा के लिए त्याग और बलिदान के मार्ग पर चलते हुए हमारे पूर्वजों ने ना तो कभी मोहवश किसी प्रकार के तुष्टीकरण का मार्ग अपनाया और ना ही कभी धर्म के बाह्य स्वरूप को पकड़ कर कट्टरता के जनक बने। इसीलिए हमारे लिए यह चिंतनीय है कि हम कहीं दोहरा आचरण अपनाकर अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित किए गए आदर्शों से च्युत तो नहीं हो रहे हैं। जिन चीजों के लिए हम अन्यों की निंदा करने में अग्रणी रहते हैं, कहीं अपने लिए पृष्ठद्वार से उन्हीं चीजों को स्वीकार तो नहीं कर रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ इस प्रकार के दोहरे आचरण को स्वीकार नहीं करता और इसीलिए वह अपने स्वयंसेवक में इस प्रकार के आत्मचिंतन को विकसित करता है जिससे वह अपने को एक पृथक सत्ता समझकर अधिकार प्राप्ति के संघर्ष में ना जुटे, बल्कि स्वयं को इस सृष्टि-व्यवस्था का अभिन्न अंग जानकर इसमें अपनी सही भूमिका को निभाने के लिए प्रस्तुत होवे। यही स्वधर्म का भी अर्थ है। इस प्रकार के आत्मचिंतन और प्रशिक्षण से गुजर कर जब कोई व्यक्ति धर्म के मूल तत्व को जान लेता है तो उसके जीवन में कट्टरता अथवा तुष्टीकरण दोनों का ही कोई स्थान नहीं रह जाता। इस प्रकार के जागृत व्यक्तियों के निर्माण से ही कोई समाज निरंतर प्रगति के पथ पर गतिमान रह सकता है और ऐसा होने पर ही वह भविष्य भी वर्तमान बन जाएगा जिसमें इस आलेख के प्रारंभ में वर्णित समस्याओं के समाधान होने की बात कही गई है। इसलिए आएं, किसी भी प्रकार की जड़ता अथवा मोह में फंस कर अपने और समाज के जीवन को क्षुब्ध करने की अपेक्षा पूज्य तनसिंह जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर एक जागृत, विवेकशील और प्रगतिशील समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय सहयोगी बनें और अपने जीवन को सार्थक बनाएं।

24 जुलाई को जैसलमेर में आयोजित होगा किसान सम्मेलन

(किसान सम्मेलन के पोस्टर का किया विमोचन)

श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में जैसलमेर जिले में किसान सम्मेलन स्थानीय जवाहिर राजपूत महाविद्यालय छात्रावास परिसर में 24 जुलाई को आयोजित किया जाएगा जिसमें जिले भर से हजारों किसान शामिल होंगे। 10 जुलाई को श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागीय कार्यालय तनाश्रम में किसान सम्मेलन कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा व इसके उद्देश्य को भी समझाया गया व बताया गया कि जैसलमेर में किसानों की समस्याएं क्या हैं, उन बिंदुओं को लिया जाएगा व मांग पत्र में उसे जगह दी जाएगी। सम्भागप्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली ने श्री प्रताप फाउंडेशन के उद्देश्य व किसान सम्मेलन की उपयोगिता के बारे में बताया और कहा कि किसान एक व्यापक शब्द है और भारत का अधिकतम जनमानस इससे अपनत्व का भाव रखता है। राजनीति किसानों को सत्ता प्राप्ति का हथियार बनाकर लोगों को बांटने का कार्य करती है जबकि श्री प्रताप फाउंडेशन सभी वर्गों के किसानों की सामूहिक आवाज बनकर किसानों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। सम्मेलन में सभी को आमंत्रित करने हेतु कार्यकताओं को जिम्मेदारियां दी गई। कार्यक्रम का प्रचार प्रसार करने हेतु क्षेत्रवार योजना संबंधी चर्चा भी की गई। पोस्टर विमोचन में राजपरिवार के दुष्यंत सिंह (कार्यकारी अध्यक्ष राजपूत सेवा समिति), नगर परिषद चेयरमैन हरिवल्लभ कल्ला, पूर्व विधायक छोटु सिंह, ब्राह्मण समाज से मुकेश पुरोहित, मेघवाल समाज के आत्माराम, खत्री समाज के मुरलीधर खत्री, मुस्लिम समाज के जहांगीर मलिक, चारण समाज के ललित चारण, नाई समाज से रुपाराम, जाट समाज से हिम्मता राम चौधरी, प्रजापत समाज के जेठाराम, हरिजन समाज से अशोक कुमार, प्रकाश कुमार, ओड समाज के बाबू राम, दर्जी समाज के नरसिंहदास, भील समाज के उगा राम, भाटिया समाज के नवीन भाटिया, सोनी समाज बालकिशन सोनी व जगदीश महेश्वरी, नाथ समाज के धनगिरी, माली समाज के देवी लाल सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

समदड़ी में... उनके प्रतिरोध और संघर्ष ने मुगल सत्ता को पूरे राष्ट्र पर हावी होने से रोक कर रखा। मारवाड़ जंक्शन विधायक खुशवीर सिंह ने कहा कि क्षत्रिय कौम ने समाज और राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव बलिदान दिया है। दुर्गा दास जी ने भी उसी परंपरा का निर्वहन किया और सभी कष्टों को सहते हुए अपने राष्ट्र की रक्षा की। छात्रावास कमेटी के अध्यक्ष पूर्व विधायक कानसिंह कोटड़ी ने छात्रावास में हो रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी दी। गादीपति गढ़ सिवाना गोपाल राम महाराज, कांग्रेस खनिज प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव पंकज प्रताप सिंह, नागाणा मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष व कल्याणपुर प्रधान उमेद सिंह अराबा सहित कई जनप्रतिनिधि व राजपूत समाज के वरिष्ठजन कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस दौरान भामाशाहों का सम्मान भी किया गया जिसमें व्यवस्था व छात्रावास के विकास में सहयोग देने वाले भामाशाहों और प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। जेठूदान राव ने पूर्व सांसद गज सिंह को हस्तलिखित जीवनी भेंट की।

माननीय संरक्षक... समिति के संरक्षक भोजराज बौद्ध ने संस्था की कार्यप्रणाली से माननीय संरक्षक श्री को अवगत कराया और साथ ही डॉ भीमराव अंबेडकर को विदेश में शिक्षा प्राप्त करने हेतु भेजने वाले बड़ौदा के महाराजा की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में पधारने के लिए निवेदन किया।

जैसलमेर में... इस बात की जानकारी मनोहर सिंह को होने पर उन्होंने मदनलाल को आश्वस्त किया कि शादी का पूरा खर्च वे उठाएंगे। उन्होंने ऐसा ही किया और दोनों बेटियों की शादी अपने गांव जोधा में ही करवाई। बारातियों के स्वागत, ठहरने और खाने की पूरी व्यवस्था भी उन्होंने ही की और गांव वालों के साथ मिलकर स्वयं बारात का स्वागत किया। सभी ग्राम वासियों और सर्वसमाज के लोगों ने इस पहल की सराहना की।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
1.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**सोड़वाली (बीकानेर)**। बीकानेर लूणकरणसर मार्ग पर बामन गली उतरें। आगे टैक्सी व्यवस्था। सम्पर्क : मनोहरसिंह 99287-32261
2.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**भूरासर (बीकानेर)**। बीकानेर से 9 व 12 बजे, बज्जू से 12.30 से व 4.20 बजे, चारणवाला से 5 बजे बस उपलब्ध है। **सम्पर्क :** सवाईसिंह 94490-00725, जगमालसिंह गोकुल 97845-07254
3.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**बांदरा (बाड़मेर)**। जयसनों की ढाणी। 0 पाइंट कवास से एमपीटी सड़क मार्ग से जयसनों की ढाणी बांदरा पहुंचे।
4.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**सणाऊ (बाड़मेर)**। बाड़मेर-चौहटन मार्ग पर स्थित
5.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**शिव (बाड़मेर)**। राव चांपा संस्थान। **सम्पर्क:** हेमसिंह कोटड़ा, दशरथसिंह कोटड़ा
6.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**डिग्गा (जैसलमेर)**। रामगढ़, मोहनगढ़, नाचना, जैसलमेर से नेहड़ाई तक बस।
7.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**बोनाड़ा (जैसलमेर)**। पोकरण से भैंसड़ा, वहां से बोनाड़ा। बाड़मेर से बोनाड़ा सीधी बस है।
8.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**सिहड़ार (जैसलमेर)**। जैसलमेर व बाड़मेर से सीधी बस है।
9.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**जयपुर**। सूरपुरा फार्म हाउस, कालवाड़ रोड़, जयपुर। जयपुर, जोबनेर मार्ग पर टोल प्लाजा से 500 मीटर पहले दाहिनी ओर।
10.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**झाडोल (उदयपुर)**। राजस्थान विद्यापीठ कॉलेज। **सम्पर्क:** हैप्पीसिंह बोराणा-97835-86360 खुशवंतसिंह- 99823-02556
11.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**आचीणा (नागौर)**। नागौर व खींवसर से बस।
12.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**रणीसीसर जोधा (नागौर)**। नागौर-डीडवाना मुख्य मार्ग पर।
13.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**सुल्ताना (झुंझुनूं)**। चिड़ावा से सुल्ताना बसें।
14.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**नांदड़ी (जोधपुर)**। पावटा से नांदड़ी बसें।
15.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**पांचला (जालोर)**। गोगाजी जी थान, सांचौर, सांकड़ा से बस व टैक्सी। **सम्पर्क:** तनसिंह सुरावा-97833-27147 सज्जनसिंह पांचला 94131-24050
16.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**कावतरा (जालौर)**। जोगमाया मंदिर। भीनमाल-बागोड़ा मार्ग पर कावतरा उतरें। **सम्पर्क:** चंदनसिंह कावतरा-80588-53853
17.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**शिवरात (भीलवाड़ा)**। गंगापुर से साधन उपलब्ध है। **सम्पर्क:** गजेन्द्रसिंह चौकी का खेड़ा 78787-26300
18.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**झिंझनयाला कलां (जोधपुर)**। बालेसर से तिंवरी रोड़ पर
19.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**बैठवासिया (जोधपुर)**। ओसियां से बसें।
20.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	06.08.2022 से 09.08.2022 तक	**रायपुर (पाली)**। भास्कर अकेडमी कृष्णा होटल के पीछे। बाटेलाव तालाब के पास, मुख्य हाइवे टोल टैक्स के पास। **सम्पर्क:** 80057-15150, 94607-26200 पाली, सिरोही, जालोर से आने वाले रायपुर हाइवे पर उतरें। यहां से शिविर स्थल 1 किमी । जयपुर, जोधपुर, अजमेर मार्ग से आने वाले बर उतरें। वहां से 5 किमी। रेलमार्ग से आने वाले हरिपुर स्टेशन पर उतरें। आगे टैम्पो शिविर स्थल तक उपलब्ध है।
21.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	11.08.2022 से 14.08.2022 तक	**ढूंढिया (नागौर)**। नागौर से बसें।
22.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	11.08.2022 से 14.08.2022 तक	**भोपालगढ़ (जोधपुर)**। जोधपुर से बसें उपलब्ध।
23.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	11.08.2022 से 14.08.2022 तक	**सूरपुरा (कल्याणपुर-बाड़मेर)**। बाड़मेर व जोधपुर से कल्याणपुर बसें। कल्याणपुर से सूरपुरा। **सम्पर्क:** दौलतसिंह मुंगेरिया
24.	प्रा.प्र.शि.	11.08.2022 से 14.08.2022 तक	**तोगावास (चूरू)**। सरदारशहर से तारा नगर मार्ग पर।
25.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	11.08.2022 से 14.08.2022 तक	**बेलवा राणजी (जोधपुर)**। बालेसर-तिंवरी रोड़ पर

शिविर में आने वाले युवक काला नीकर, सफेद कमीज या टीशर्ट, काली जूती या जूता व युवतियां केसरिया सलवार कमीज, कपड़े के काले जूते, मौसम के अनुसार बिस्तर (एक परिवार से दो जने हों तो अलग-अलग), पेन, डायरी, टॉर्च, रस्सी, चाकू, सूई-डोरा, कंघा, लोटा, थाली, कटोरी, चम्मच, गिलास साथ लेकर आवें। संघ साहित्य के अलावा कोई पत्र-पत्रिका, पुस्तकें एवं बहुमूल्य वस्तुएं साथ ना लावें।

दीपसिंह बैण्यांकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

श्री भवानी निकेतन परिसर में वनमहोत्सव का आयोजन

जयपुर स्थित श्री भवानी निकेतन परिसर में 9 जुलाई को श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति एवं राजेन्द्र सिंह बगड़ मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में वनमहोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें स्वर्गीय राजेन्द्र सिंह बगड़, पूर्व सचिव श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति की 69वीं जयन्ती के अवसर पर शिक्षा समिति परिसर में सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं मुकेश दाधीच, उपाध्यक्ष, प्रदेश भाजपा की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री भवानी निकेतन के समस्त शिक्षण संस्थाओं के कर्मचारी, छात्र-छात्राओं, एन.सी.सी. कैडेट ने समिति परिसर में आम, अशोक, बरगद, पीपल, नीम आदि के 200 से अधिक पौधे लगाये। समिति के अध्यक्ष शिवपाल सिंह नांगल, उपाध्यक्ष नगेन्द्र सिंह बगड़, सचिव गुलाब सिंह मेड़तिया व कार्यकारिणी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कर्नल राज्यवर्धन सिंह ने विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं फिटनेस के प्रति सावचेत करते हुए प्रकृति से आत्मीय जुड़ाव रखने व उसके संरक्षण की बात कही।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

Mobile : 95497-77775, 87428-13538, 98288-34449
जय श्री बॉयज हॉस्टल
BEST FOR 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, Science Blo, Maths, IIT, NEET, JEE, Foundation, Target
CLC के पास, पिपराली रोड, सीकर
ALLEN के पीछे, शरदलता हॉस्पिटल के पास, पिपराली रोड, सीकर

अलख नयन आई हॉस्पिटल

Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

जैसलमेर में राजपूत कर्मचारी कार्यशाला संपन्न

3 जुलाई को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा जैसलमेर स्थित व्यास बगीची में जिला स्तरीय कर्मचारी कार्यशाला संपन्न हुई जिसमें जिले भर के लगभग 300 कर्मचारियों ने भाग लिया। केंद्रीय कार्यकारी रेवन्त सिंह पाटोदा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति से ही समाज का निर्माण होता है। सक्षम व्यक्तियों की शृंखला ही समाज को मजबूत करती है और इसी शृंखला के निर्माण के लिए ही श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन कार्य कर रहा है। हम सभी कर्मचारी हैं और हमारे पास अतिरिक्त ऊर्जा है क्योंकि हम उन समस्याओं से मुक्त हैं जो एक सामान्य व्यक्ति के सामने आती हैं जैसे आर्थिक असुरक्षा, भविष्य की चिंता आदि। इस दृष्टि से समाज के प्रति हमारा दायित्व भी अधिक है। अपनी अतिरिक्त ऊर्जा को हम किस प्रकार समाज के हित में उपयोग कर सकते हैं इसका मार्ग श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें बताता है। व्यक्ति सक्षम हो जाए, मजबूत बन जाए लेकिन उसके अंदर सामाजिक भाव नहीं हो तो वह समाज के विकास में सहायक नहीं बन सकता। इसीलिए संघ अपने आनुषंगिक संगठनों श्री प्रताप फाउंडेशन और श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक भाव को जगाने और हमारी ऊर्जा और शक्ति के बिखराव को रोककर हमें जमीनी स्तर पर एक करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि हम श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य में जिस प्रकार भी सहयोगी बन सकते हैं, बनें। हमारी जिस तरह की भी क्षमता और रुचि है, उसी के अनुरूप यहां कार्य उपलब्ध है। यहां हम जो भी उपस्थित हैं, व्यवस्था के अंदर रहकर कार्य कर रहे हैं। इसलिए व्यवस्था में हमारे समाज के लोगों की अधिकाधिक पहुंच बने और व्यवस्था के सकारात्मक पक्ष को हम समाज तक पहुंचाएं यह हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन यह तभी संभव होगा जब हमारा आपसी संपर्क हो।

एक इस तरह का माध्यम बने, जिससे नियमित संवाद हो सके। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन ऐसा ही माध्यम है। बैठक में फाउंडेशन के उद्देश्य और कार्यप्रणाली को समझाया गया और इसी प्रकार अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले समाजबंधुओं की कार्यशालाएं आयोजित करने का भी निर्णय हुआ। आगामी 24 जुलाई को जैसलमेर जिला मुख्यालय पर श्री प्रताप फाउंडेशन द्वारा आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु भी चर्चा की गई। कर्मचारी के रूप में श्री क्षत्रिय युवक संघ व आनुषंगिक संगठनों के माध्यम से समाज-कार्य में किस तरह से सहयोगी बन सकते हैं, इसपर भी चर्चा की गई। सेवानिवृत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक छुग सिंह पोछीणा, किशन सिंह भादरिया, सवाई सिंह पिथला, जिला कोषाधिकारी देरावर सिंह सांकड़ा, कार्यकारी अधिकारी नगर पालिका झब्बर सिंह जोधा, विकास अधिकारी सांकड़ा नरपत सिंह हरसाणी, कृषि अधिकारी छुग सिंह सांकड़ा, सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी दलपत सिंह, राजस्थान शिक्षा सेवा से छत्र सिंह राजगढ़, उगम सिंह रामदेवरा, शैतान सिंह पूनमनगर, चंदनसिंह सहित अनेकों कर्मचारी बंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। फाउंडेशन की केंद्रीय टीम के सदस्य कमल सिंह भैसड़ा द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

राजकोट में स्किल अवार्ड समारोह संपन्न

महाराणा प्रताप स्मृति संस्थान, राजकोट का 16वां, 17वां व 18वां स्किल अवार्ड समारोह संयुक्त रूप से राजकोट शहर स्थित हेमू गढवी हॉल में 26 जून 2022 को आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्था द्वारा गुजरात भर के ऐसे राजपूत युवक व युवतियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने विविध क्षेत्रों में अपनी विशेष प्रतिभा दिखाते हुए उस क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त की हो। हर वर्ष आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम विगत 2 वर्षों से कोरोना की महामारी के कारण नहीं हो पाया इसी कारण से इस वर्ष तीनों साल के कार्यक्रम एक साथ किए गए। इस दौरान समाज के 101 प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला, पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेंद्र सिंह चूड़ासामा, गुजरात सरकार में कैबिनेट मंत्री किरीटसिंह राणा, राज्य कक्षा के शिक्षा मंत्री कीर्ति सिंह वाघेला, पूर्व राज्यमंत्री हकूभा जाडेजा, आईएएस-आईपीएस स्टडी सेंटर गांधीनगर के संयोजक अशोक सिंह परमार, उपकुलपति अर्जुन सिंह राणा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन युवराज सिंह जाबिड़ा व उनकी टीम द्वारा किया गया।

बनासकांठा और गांधीनगर-अहमदाबाद प्रांत की बैठक संपन्न

3 जुलाई को बनासकांठा प्रांत की वार्षिक कार्ययोजना बैठक आशापुरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित पीलूड़ा शैक्षणिक संकुल में आयोजित हुई। बैठक के दौरान प्रांत में हो रहे संघ कार्य की समीक्षा करते हुए आगे किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा हुई। शाखा, शिविर, संपर्क यात्राएं, स्नेह मिलन, संघ स्थापना दिवस एवं महापुरुषों की जयंती मनाने, संघ साहित्य के प्रसार, कर्मचारी प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित करने, विद्यार्थियों के लिए कैरियर वर्कशॉप एवं सेमिनार का आयोजन, मातृशक्ति स्नेहमिलन का आयोजन आदि विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करके कार्य योजना निश्चित की गई। संभागप्रमुख विक्रम सिंह कमाना ने उपस्थित स्वयंसेवकों से कहा कि यह आयोजन तभी सार्थक एवं सफल होगा जब यहां बनाई गई कार्ययोजना पर हम अमल करेंगे। मुझे विश्वास है कि आप सभी अवश्य इस पर अमल करेंगे। जब हम निस्वार्थ भाव से संघ को अपने जीवन में स्थान देंगे और संघ साहित्य को पढ़कर संघ को ठीक प्रकार से समझेंगे तभी हम अपने कार्य क्षेत्र में संघ कार्य को अपेक्षित गति प्रदान कर सकेंगे। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

10 जुलाई को अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत की कार्य योजना बैठक गांधीनगर स्थित सेंट्रल विस्टा पार्क में आयोजित हुई। प्रांत प्रमुख दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने संभागीय बैठक में हुई चर्चा से स्वयंसेवकों को अवगत कराया एवं शाखा, शिविर, विस्तार आदि बिंदुओं पर प्रांत में हो रहे कार्य एवं सत्र के आगामी समय के लिए निश्चित किए गए लक्ष्यों पर चर्चा की। बैठक के दौरान कोरोना काल में बंद हुई शाखाओं को पुनः प्रारंभ करने के लिए उन क्षेत्रों में संपर्क करने की योजना बनाई गई। नरोड़ा, औढव-वटवा, मेघाणीनगर, पेथापुर, मानसा में नई शाखाएं प्रारंभ करने का निर्णय हुआ। अगस्त माह में एक शिविर के आयोजन का निर्णय हुआ एवं उसके लिए संभावित स्थलों पर भी चर्चा की गई। नए क्षेत्रों में विस्तार के लिए संपर्क करने का निर्णय हुआ तथा जिले के ऐसे सभी गांवों, जिनमें राजपूत रहते हैं, में संपर्क यात्राओं के आयोजन का निर्णय लिया गया। गांधीनगर के सेक्टर 17 स्थित राजपूत समाज भवन, बहियल, पडुस्मा, नरोड़ा एवं अहमदाबाद में पांच स्नेहमिलन कार्यक्रम निश्चित किए गए। विभिन्न कार्यों के लिए स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे गए। संभाग प्रमुख अणदू भा काणेटी ने उपस्थित स्वयंसेवकों से कहा कि जो जिम्मेदारी हमें दी गई है उसे हमें ही पूरा करना है। सभी मिलकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तभी संघ कार्य सुचारू रूप से चल सकेगा। वरिष्ठ स्वयंसेवक महावीर सिंह हरदासकाबास सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

बनासकांठा प्रांत में संपर्क यात्रा का आयोजन

बनासकांठा प्रांत में वडगाम तहसील के विभिन्न गांवों में 10 जुलाई को संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें लिबोई, वेसा, पसवादल, तेनीवाडा और रजोसण गांव में संपर्क किया गया। इस दौरान महिलाओं के संस्कार निर्माण में महत्व को रेखांकित करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई और 16, 17 व 18 जुलाई को प्रांत में विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाली मातृशक्ति की बैठकों में सम्मिलित होने हेतु निमंत्रण दिया गया। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर और रामसिंह धोता सकलाना अन्य सहयोगियों के साथ यात्रा में उपस्थित रहे। 12 जुलाई को पांथावाडा में भी संपर्क बैठक आयोजित की गई जिसमें क्षेत्र के पंद्रह गांवों में संपर्क करके 16, 17 व 18 जुलाई को होने वाली बैठकों में मातृशक्ति की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को अलग-अलग गांवों में संपर्क करने का दायित्व सौंपा गया। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर एवं ईश्वर सिंह आरखी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

(पृष्ठ दो का शेष) 'क्षत्रियत्व के जागरण में ही है क्षत्रिय का हित'

उसी के लिए पिछले 75 वर्षों से संघ कार्य कर रहा है। श्री क्षत्रिय युवक संघ कोई डिग्री नहीं है, कोई पड़ाव नहीं है कि इतने शिविर कर लिए तो आपका काम खत्म हो गया। संघ यह कहता है कि कोई व्यक्ति श्रेष्ठ गुणों को हासिल करने की ओर बढ़ता है तो वह श्रेष्ठतम स्थिति पर पहुंच जाए उसके बाद भी उसके गिरने की संभावनाएं बनी रहती हैं। विश्वामित्र जी का उदाहरण हमारे सामने हैं इसलिए संघ के शिक्षण का कभी अंत नहीं होता, यह हमेशा चलने वाला शिक्षण है। लेकिन यह विडंबना है कि संघ के साथ चलने वाले सभी लोग इतना धैर्य नहीं रख पाते, इसलिए वे अंत तक साथ नहीं चल पाते। श्री क्षत्रिय युवक संघ अनवरत चलने वाला काम है क्योंकि व्यक्ति के विकास की कोई सीमा नहीं होती और श्री क्षत्रिय युवक संघ जीवन के विकास की प्रक्रिया है। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का पहला बिंदु यही है कि हम संसार के उन सौभाग्यशाली लोगों में से हैं जिन लोगों के पास क्षत्रिय बनाने की फैक्ट्री है। अधिकांश संगठन कुछ न कुछ प्राप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं, संघर्षरत हैं और श्री क्षत्रिय युवक संघ संसार को हम क्या दे सकते हैं इसके लिए संघर्षरत हैं, क्योंकि क्षत्रिय का काम ही देना होता है और जिसने दिया वह भगवान बन गया। क्या हम इस सौभाग्य को पहचान पा रहे हैं? हम इस सौभाग्य को पहचानें और उस फैक्ट्री में अपने आप को झोंके। संसार में उस व्यक्ति का दोष बड़ा नहीं होता है जिसके पास कुछ नहीं है बल्कि उस व्यक्ति का दोष बड़ा होता है जिसके पास सब कुछ है लेकिन वह कुछ करता नहीं। इसलिए इस आवश्यकता को समझें, इस सौभाग्य को समझें, हमारे समाज में उपलब्ध इस प्रकार के अमृत तत्व को पहचान कर उसको अपनाने का प्रयास करें और उसके साथ चलने का प्रयास करें। उपरोक्त बातें श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने 9 व 10 जुलाई को बेगूं, रावतभाटा और झालावाड़ में संपन्न श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्य विस्तार बैठकों को संबोधित करते हुए कही। 9 जुलाई को चित्तौड़गढ़ जिले की बेगूं तहसील की कार्य विस्तार बैठक पारसोली में संपन्न हुई। इसी दिन रावतभाटा तहसील की कार्य विस्तार बैठक भी आयोजित हुई। बैठकों के दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ, उसके आनुषंगिक संगठनों श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन व श्री प्रताप फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। बैठक के दौरान आगामी दो-तीन माह में चित्तौड़गढ़ में एक विशाल किसान सम्मेलन के आयोजित करने को लेकर भी विचार विमर्श हुआ। बैठकों में उपस्थित समाज बंधुओं ने क्षेत्र में श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर लगाने की मांग की। 10 जुलाई को झालावाड़ और बारां जिले की कार्य विस्तार बैठक झालावाड़ स्थित होटल मानसिंह पैलेस में संपन्न हुई। तीनों बैठकों में केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली, संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा, हाडोती प्रांत प्रमुख वीरेंद्र सिंह तलावदा, मंडल प्रमुख लक्ष्मणसिंह, सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। 10 जुलाई को अजमेर जिले के सरवाड़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत खिरिया में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बैठक आयोजित हुई जिसमें बलवीर सिंह पिपलाज ने फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताया। इस दौरान नरेंद्र सिंह डोराई, भगवान सिंह देवगांव, केसर सिंह ढिगारिया एवं खिरिया निवासी सूरजभान सिंह, हनुमान सिंह, विक्रम सिंह, भंवर सिंह सहित अनेको समाज बंधु उपस्थित रहे।

अहमदाबाद गांधीनगर प्रांत में संपर्क यात्राओं का आयोजन

अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत में 2 व 3 जुलाई को दो दिवसीय संपर्क यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें प्रांत प्रमुख दिग्विजय सिंह पलवाड़ा, अनिरुद्ध सिंह कानेटी एवं हरपाल सिंह हाड़ाटोडा ने अहमदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में संपर्क किया। इस दौरान मेघाणीनगर और अहमदाबाद पश्चिम में स्थित लॉ गार्डन की शाखाएं पुनः प्रारंभ की गई। इसी प्रकार 10 जुलाई को गांधीनगर स्थित सेंट्रल विस्टा गार्डन में आयोजित अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत की प्रांतीय बैठक के पश्चात माणसा स्थित माणसा राजपूत समाज भवन में बैठक का आयोजन हुआ जिसमें श्री क्षत्रिय युवक संघ की प्रारंभिक जानकारी देने के पश्चात गांव में शाखा प्रारंभ करने पर चर्चा की गई। इसके पश्चात रंगपुर गांव में संपर्क किया गया। ग्राम वासियों ने चर्चा में बताया कि यहां लगभग 10 साल पहले श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखा लगती थी तब गांव में संघ के प्रभाव से अच्छा वातावरण बन गया था एवं युवाओं को सही मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा था लेकिन कालांतर में शाखा बंद हो जाने से सभी को यह अनुभव हो रहा है कि गांव का वातावरण प्रतिकूल बन गया है। अतः सभी युवाओं एवं वरिष्ठ जनों द्वारा यह आग्रह किया गया कि हमारे गांव में फिर से शाखा लगे जिसके लिए हम सभी सहयोग करने को तत्पर हैं। इसी आग्रह के अनुरूप रंगपुर में आगामी 17 जुलाई को एक दिवसीय स्नेह मिलन के आयोजन के साथ शाखा प्रारंभ करने का निर्णय किया गया। इसके पश्चात अंबोड और पेथापुर गांवों में संपर्क किया गया। यात्रा के दौरान खाटा आंबा गांव पहुंचकर यहां की शाखा भी पुनः प्रारंभ की गई। संभागप्रमुख अणदुभा कानेटी, प्रांत प्रमुख दिग्विजय सिंह पलवाड़ा के साथ अनिरुद्धसिंह कानेटी, महावीर सिंह हरदासकाबास, सहदेवसिंह मुली, जगत सिंह वलासना, भरतसिंह कुकराना व करणसिंह पडुस्मा यात्रा में उपस्थित रहे।

रायपुर में तहसील स्तरीय बैठक संपन्न

पाली जिले के रायपुर में 10 जुलाई को तहसील स्तरीय बैठक आयोजित हुई जिसमें तहसील के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी ने उपस्थित स्वयंसेवकों से 6 से 9 अगस्त तक रायपुर में आयोजित होने वाले बालिका शिविर की तैयारियों के संबंध में चर्चा की और कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ विभिन्न माध्यमों से एक श्रेष्ठ समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य कर रहा है जिसमें हम सभी के सहयोग की आवश्यकता है। प्रांतप्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाणा ने शिविर स्थल, अवधि और व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी दी। राजपूत सभा रायपुर के अध्यक्ष भीम सिंह उदावत, लक्ष्मण सिंह रायरा, दिग्विजय सिंह कोलीवाडा व महिपाल सिंह गुड़िया ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेकों समाज बंधु उपस्थित रहे।

सांवल सिंह सनावड़ा की चतुर्थ पुण्यतिथि मनाई

श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिवंगत स्वयंसेवक सांवल सिंह सनावड़ा की चतुर्थ पुण्यतिथि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांकड़ा के खेल मैदान में 2 जुलाई को श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य भीख सिंह, सरपंच प्रतिनिधि भीख सिंह लूणा, भोम सिंह सांकड़ा, गफूर खां, सरपंच माधुपुरा हनुमान सिंह, मनोहर लाल मीणा, केवल राम हींगडा सहित अनेकों ग्रामवासियों ने श्रद्धेय सांवल सिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

महावीर सिंह देणोक को मातृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के सूरत प्रांत के स्वयंसेवक महावीर सिंह देणोक के माताजी **श्रीमती भँवरकंवर** धर्मपत्नी जीतसिंह जी का देहावसान 6 जुलाई 2022 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें और शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करें।

श्रीमती भँवरकंवर

गिरधारी सिंह खोखर का देहावसान

वयोवृद्ध स्वयंसेवक **श्री गिरधारी सिंह जी खोखर** का देहावसान 8 जुलाई 2022 को हो गया। वे संघ के प्रारंभिक काल के उत्साही स्वयंसेवकों में से एक थे एवं भूस्वामी आंदोलन में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। अपने सेवाकाल में वे जहां भी नियुक्त रहे वहां उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विशिष्ट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 24 शिविर किए जिनमें पांच उच्च प्रशिक्षण शिविर, दस माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर एवं नौ प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर हैं। 10 से 31 मई 1949 तक जोधपुर में आयोजित उच्च प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें।

श्री गिरधारी सिंह जी

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारे संघ परिवार की प्रतिभा एवं स्वयंसेवक
साथी **अर्जुन सिंह सिसरवादा**
की पुत्री

कृष्णा कंवर सिसरवादा

जिला पाली, हाल निवास दिल्ली का
भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद
पर चयन होने पर हार्दिक बधाई एवम उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छुः

राजू सिंह जी करोला	देवराज सिंह मांडानी	ईश्वर सिंह बैरसियाला	छैल सिंह खाराबेरा	मोंटू सिंह भागवा	रतन सिंह काठाड़ी
शंकर सिंह रोजला खुर्द	हरेन्द्र सिंह देसवाल	नरपत सिंह जागसा	मोहन सिंह पादरू	मग सिंह टेपू	योगेंद्र सिंह सिणधरा
शेर सिंह निम्बावास	सुमेर सिंह मेसरा	गंगा सिंह कठाड़ी	गिरधरसिंह खीरवा	राम सिंह भादरला	भंवर सिंह लोटीवाड़ा
सुमेर सिंह हरभा	छैल सिंह मवडी	राजेन्द्र सिह डुँगरली	दिलीप सिंह खाराबेरा	सुरेंद्र सिंह लांबा	महेंद्र सिंह जोलियाली
तेज सिंह धनला	भूपेंद्र सिंह खारी	एवं समस्त स्वयंसेवक, **श्री नारायण शाखा**, प्रेम चौक, शास्त्री नगर, दिल्ली			

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाषः 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org